

Written by B4M
Tuesday, 02 August 2011 18:41

हरदोई जल्लि केपाली थाने की पुलसि ने राष्ट्रिय सहारा अखबार के कपत्रकर के घर से घसीट कर ना सरिफ सरेआम उसकी पटाई की, बल्कि उसे बचाने आई माँ और बहन के भी नहीं बखशा. पत्रकर क कुसूर सरिफ इतना था कि पाली कसबे में अवैध रूप से हो रहे स्मैक और गोक्शी के करोबार की खबर उसने अपने अखबार में प्रकशति की थी.

कहते हैं कि खसियानी बल्लिी खम्भा नोचे, जब पुलसि इन अवैध धंधों को नहीं रोकपाई, या यूँ कहें कि पुलसि उनसे अच्छी खासी रकम वसूल करती है, इसलिये जान बूझकर उनके संरक्षण में स्मैक और गोक्शी का धंधा फल फूल रहा है. अब आपके बताते हैं कि पूरा वाक्या है क्या? पछिले कुछ दिनों से पाली कस्बे में अवैध रूप से पुलसि की मल्लिी भगत से बकिरही स्मैक और गोक्शी की खबर राष्ट्रिय सहारा अखबार में स्थानीय संवाददाता शोभति मशिर् ने कई बार प्रकशति की थी, चुकी पाली पुलसि को इन अवैध करोबारियों से महीने में अच्छी खासी रकम



मल्लिती है और अखबार में छपने से ना सरिफ उनकी छवि धूमल्लि होती है, बल्कि अधिकारियों के संज्ञान में भी आ जाती है, इसलिये पाली पुलसि ने उक्त पत्रकर के घर पर धावा बोलकर उसकी जमकर पटाई की और थाने ले जा कर बंद कर दिया.

जल्लिा सूत्र पत्रकारों ने जब अधिकारियों से इसकी वजह पूछी तो पहले तो उन्होंने बताया कि उक्त पत्रकर स्मैक का धंधा करता है और स्मैक सहति पकड़ा गया है. बाद में पत्रकारों के हस्तक्षेप से पुलसि ने उसे स्मैक में तो नहीं बंद किया लेकिन सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में जेल भेज दिया. आरोप पत्र में ये भी लिखा कि उक्त पत्रकर ने सपिाही की वरदी पकड़ी दी, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घर पर दबशि देने गये सपिाही ने वरदी पहनी ही नहीं थी और दूसरी सबसे खास बात ये कि साक्षि छह फीट के देवेन्द्र यादव नामक सपिाही की दुबले पतले और चालीस किलो वजन वाले पत्रकर ने सपिाही की वरदी कैसे पकड़ी दी, यह किसी की समझ में नहीं आ रहा है. जबकि पुलसि ने यही आरोप लगाया है.

सबूत के तौर पर साथ में वो फोटो भी दिया जा रहा है, जिस में साक्षि छह फीट का सपिाही बना वरदी में शोभति को उसके घर से खींच कर ठंड व मारपीट कर जबरन अपने साथ ले जा रहा है, जिसका वरिोध उसकी माँ और बहन कर रही हैं, जो कि स्वाभाविक है. किसी शख्स को सादे कपड़े पहने हुए कोई घर में घुस कर मारे पीटे और जबरन अपने साथ ले जाये तो घर वाले तो वरिोध करेंगे ही. फल्लिहाल शोभति मशिर् जेल में है और उसकी मानत अभी नहीं हुई है, लेकिन इस सारे मामले की जानकरी हरदोई के सपिा के दाखिले जाने के बावजूद ईमानदार कहे जाने वाले सपिा ने भी अपने थानेदार का ही पक्का लयिा, और दोषी पुलसि कर्मी के खिलाफ कोई कर्वाई नहीं की. इस घटना को लेकर जल्लिा के पत्रकारों में खासा रोष है. कई पत्रकर संगठनों ने पीठि पत्रकर को न्याय दल्लिाने के लिये लडाई लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है.

□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□.